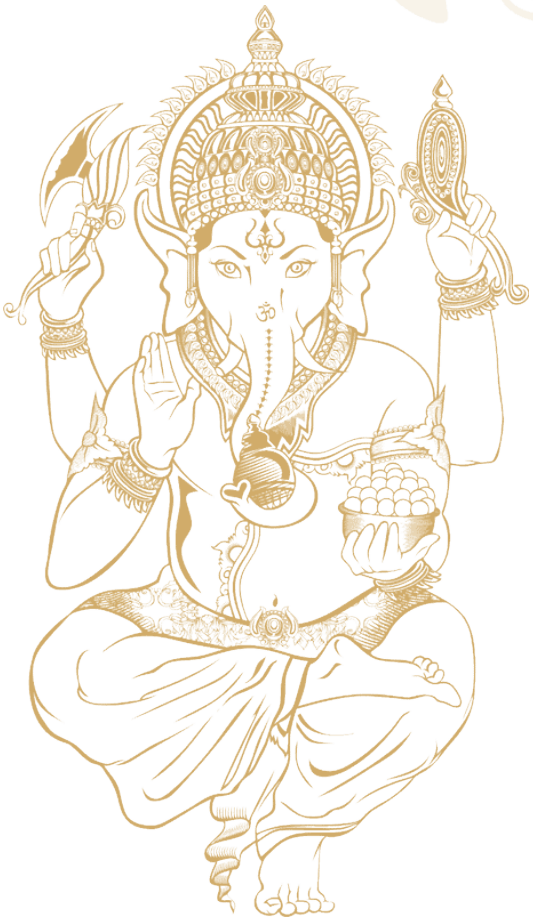

??????? ??????

20 Sep 1993

11:45 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119365502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/09/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:45:00 घंटे**
इष्ट	45:02:18 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:48:32 घंटे
वेलान्तर	00:06:29 घंटे
साम्पातिक काल	23:47:06 घंटे
सूर्योदय	05:44:04 घंटे
सूर्यास्त	17:55:22 घंटे
दिनमान	12:11:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:01:12 कन्या
लग्न के अंश	14:42:42 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	विष्कुम्भ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:42:42	320:51:53	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			कन्या	04:01:12	00:58:40	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	08:11:32	13:59:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			तुला	01:58:33	00:40:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			कन्या	21:15:05	01:32:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कन्या	25:20:47	00:12:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	05:12:21	01:13:00	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	00:59:07	00:03:24	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	11:43:42	00:00:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	11:43:42	00:00:14	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:28:24	00:00:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:37:36	00:00:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:36:29	00:01:34	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	02:42:53	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:25

लग्न-चलित

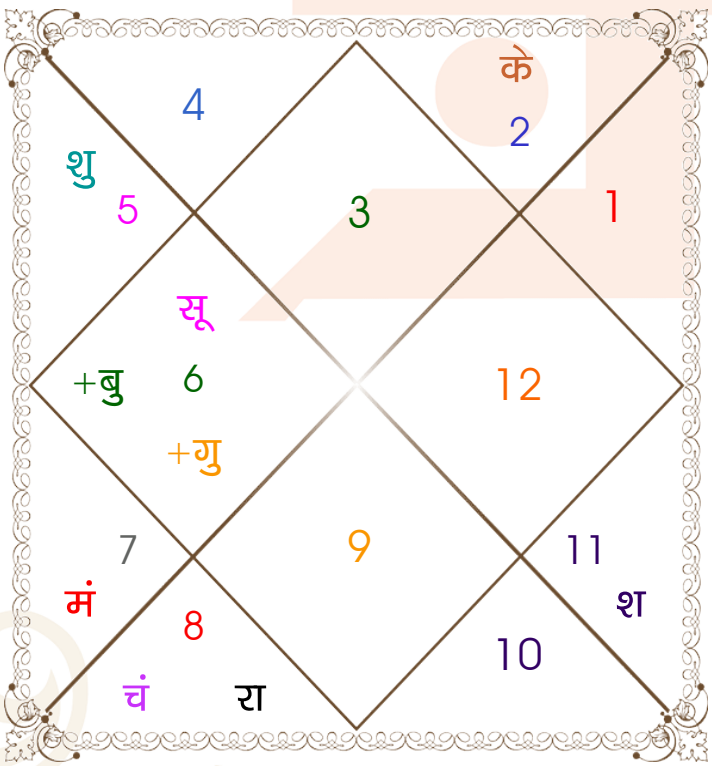

चन्द्र कुंडली

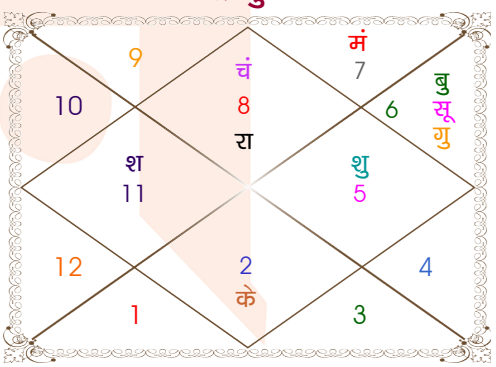

नवमांश कुंडली

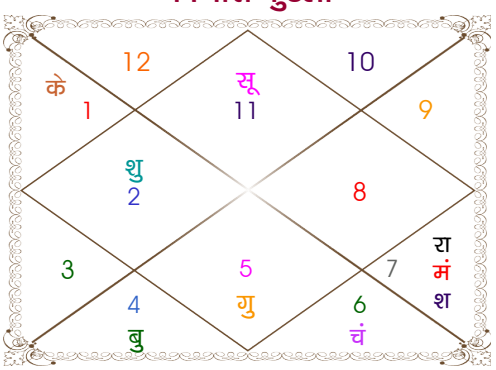

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 0 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/09/1993		18/10/2005		19/10/2022		18/10/2029		18/10/2049	
18/10/2005		19/10/2022		18/10/2029		18/10/2049		19/10/2055	
	00/00/0000	बुध	16/03/2008	केतु	17/03/2023	शुक्र	17/02/2033	सूर्य	05/02/2050
	00/00/0000	केतु	13/03/2009	शुक्र	16/05/2024	सूर्य	17/02/2034	चंद्र	06/08/2050
	20/09/1993	शुक्र	12/01/2012	सूर्य	21/09/2024	चंद्र	19/10/2035	मंगल	12/12/2050
शुक्र	09/10/1996	सूर्य	17/11/2012	चंद्र	22/04/2025	मंगल	18/12/2036	राहु	06/11/2051
सूर्य	21/09/1997	चंद्र	19/04/2014	मंगल	18/09/2025	राहु	19/12/2039	गुरु	24/08/2052
चंद्र	22/04/1999	मंगल	16/04/2015	राहु	06/10/2026	गुरु	19/08/2042	शनि	06/08/2053
मंगल	31/05/2000	राहु	02/11/2017	गुरु	12/09/2027	शनि	18/10/2045	बुध	13/06/2054
राहु	07/04/2003	गुरु	08/02/2020	शनि	21/10/2028	बुध	18/08/2048	केतु	19/10/2054
गुरु	18/10/2005	शनि	19/10/2022	बुध	18/10/2029	केतु	18/10/2049	शुक्र	19/10/2055

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/10/2055		18/10/2065		18/10/2072		19/10/2090		20/10/2106	
18/10/2065		18/10/2072		19/10/2090		20/10/2106		00/00/0000	
चंद्र	18/08/2056	मंगल	16/03/2066	राहु	01/07/2075	गुरु	06/12/2092	शनि	22/10/2109
मंगल	19/03/2057	राहु	04/04/2067	गुरु	24/11/2077	शनि	19/06/2095	बुध	01/07/2112
राहु	18/09/2058	गुरु	10/03/2068	शनि	30/09/2080	बुध	24/09/2097	केतु	10/08/2113
गुरु	18/01/2060	शनि	19/04/2069	बुध	19/04/2083	केतु	31/08/2098	शुक्र	21/09/2113
शनि	18/08/2061	बुध	16/04/2070	केतु	07/05/2084	शुक्र	02/05/2101		00/00/0000
बुध	18/01/2063	केतु	12/09/2070	शुक्र	07/05/2087	सूर्य	18/02/2102		00/00/0000
केतु	19/08/2063	शुक्र	12/11/2071	सूर्य	31/03/2088	चंद्र	20/06/2103		00/00/0000
शुक्र	19/04/2065	सूर्य	19/03/2072	चंद्र	30/09/2089	मंगल	26/05/2104		00/00/0000
सूर्य	18/10/2065	चंद्र	18/10/2072	मंगल	19/10/2090	राहु	20/10/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 1 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।